

## बामयान बुद्ध

### प्रलिम्स के लिये:

बामयान बुद्ध, बुद्ध, हदिकुश ।

### मेन्स के लिये:

बौद्ध धर्म का महत्त्व, भारतीय वरिसत स्थल, भारतीय साहित्य ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में अफगानस्तान में तालबान शासन ने कहा है कविह मेस अयनाक में प्राचीन बुद्ध प्रतमाओं की रक्षा करेगा ।

- मेस अयनाक एक ताँबा खदान स्थल भी है, जहाँ तालबान सरकार चीनी नविश की उम्मीद कर रही है ।
- तालबान की स्थिति इस समय के वपिरीत है, जब उसने पहले अफगानस्तान पर शासन किया था एवं वैश्विक आक्रोश के सामने बामयान में सदरियों पुरानी बुद्ध की मूर्तियों को तोपखाने, वस्फोटक और रॉकेट का उपयोग करके गरिया गया ।

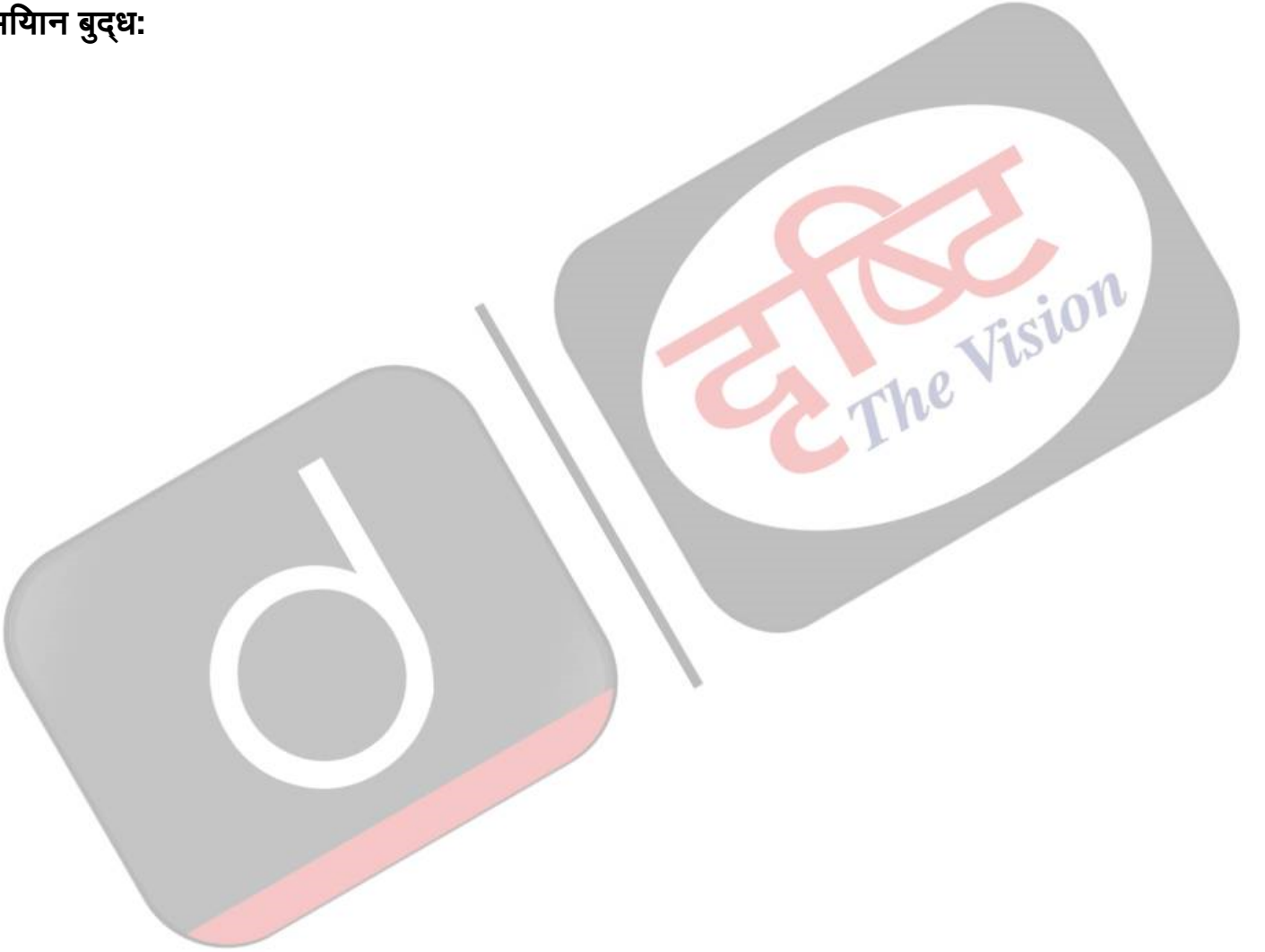
## तालबान द्वारा बामयान के वनिश की पृष्ठभूमि:

- कट्टरपंथी तालबान आंदोलन, जो 1990 के दशक की शुरुआत में उभरा, ने दशक के अंत तक अफगानिस्तान के लगभग 90% हिस्से पर नियंत्रण कर लिया।
- जबकि उनके शासन ने कथित तौर पर अराजकता पर अंकुश लगाया, उन्होंने तथाकथित "इस्लामी दंड" और इस्लामी प्रथाओं का एक प्रतगामी वचिार भी पेश किया, जिसमें टेलीविज़न पर प्रतबिंध, सार्वजनिक नषिपादन और 10 वर्ष तथा उससे अधिक उमर की लड़कियों के लयि स्कूली शकिषा की कमी शामिल थी।
  - बामयान बुद्धों का वनिश इसी चरमपंथी संस्कृतिका हिस्सा था।
- 27 फरवरी, 2001 को तालबान ने मूरतियों को नषट करने की अपनी मंशा की घोषणा की।

## वनिश के बाद की स्थिति:

- वर्ष 2003 में यूनेस्को ने वशिव धरोहर स्थलों की सूची में बामयान बुद्धों के अवशेषों को शामिल किया।
- 9 मार्च, 2021 को साल्सल की प्रतमिा को फरि से नरिमति किया गया (एक 3D प्रकषेपण उस कोने पर लगाया गया था जहाँ वह खड़ा था)।

## बामयान बुद्ध:



### ■ बामयान बुद्धों की वरिसत:

- कहा जाता है कि बिलुआ पत्थर की चट्टानों से काटकर बनी बामयान बुद्ध की मूर्तियाँ 5वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व की हैं और कभी दुनिया की सबसे ऊँची बुद्ध की खड़ी प्रतमा थी।
  - उनकी रोमन ड्रैपरियों में और दो अलग-अलग मुद्राओं के साथ मूर्तियाँ गुप्त, ससैनयिन एवं हेलेनसिटिक कलात्मक शैलियों के संगम के महान उदाहरण थीं।
- स्थानीय लोगों द्वारा बुलाए जाने वाले 'सालसल' और 'शामामा' क्रमशः 55 और 38 मीटर की ऊँचाई तक की थीं।
  - सालसल का अर्थ है "प्रकाश ब्रह्मांड के माध्यम से चमकता है", जबकि शामामा "रानी माँ" है।

### ■ महत्त्व:

- बामयान अफगानस्तान के मध्य ऊँचाई वाले क्षेत्रों में हदिकुश के ऊँचे पहाड़ों में स्थित है।
- बामयान नदी के साथ स्थिति घाटी कभी सलिक रोड के शुरुआती दिनों का अभिन्न अंग थी, जो न केवल व्यापारियों बल्कि संस्कृति, धर्म एवं भाषा के लिये भी मार्ग प्रदान करता था।
- जब बौद्ध कृष्ण साम्राज्य का प्रसार हुआ, तो बामयान एक प्रमुख व्यापार, सांस्कृतिक एवं धार्मिक केंद्र बन गया। जब चीन, भारत और रोम के व्यापारी बामयान से होकर गुजरे तो ऐसे में वहाँ कृष्णों द्वारा एक समन्वित संस्कृति विकसित की गई।
- पहली से पाँचवीं शताब्दी ईस्वी के बीच बौद्ध धर्म के तीव्र प्रसार में बामयान ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई मठ स्थापित किये गए।
- बुद्ध की दो विशाल मूर्तियाँ यहाँ मौजूद कई अन्य संरचनाओं का हिस्सा हैं, जसिमें स्तूप, छोटे बैठे और खड़े बुद्ध तथा गुफाओं में दीवार पेंटिंग आदि शामिल हैं, जो आसपास की घाटियों में फैली हुई हैं।

## बौद्ध धर्म से संबंधित प्रमुख तथ्य:

- बौद्ध धर्म 2,500 वर्ष पुराना है।
- यह दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के महत्त्वपूर्ण धर्मों में से एक है।
- बौद्ध धर्म का उदय लगभग छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सिद्धार्थ गौतम की आत्मज्ञान की खोज के परिणामस्वरूप हुआ था।
- एक व्यक्तिगत भगवान में कोई विश्वास नहीं है। यह मानवता और ईश्वर के बीच संबंध पर केंद्रित नहीं है।
- बौद्ध मानते हैं कि कुछ भी स्थायी या स्थायी नहीं है- परिवर्तन सदैव संभव है।
- दो मुख्य बौद्ध संप्रदाय- थेरवाद बौद्ध धर्म और महायान बौद्ध धर्म हैं, हालाँकि इसके अलावा कई अन्य भी हैं।
- आत्मज्ञान का मार्ग नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास एवं विकास के माध्यम से होकर गुजरता है।
- बौद्ध धर्म लगभग 563 ईसा पूर्व में पैदा हुए इसके संस्थापक सिद्धार्थ गौतम की शिक्षाओं, जीवन के अनुभवों पर आधारित है।
  - उनका जन्म शाक्य वंश के एक शाही परिवार में हुआ था, जिन्होंने भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित लुंबिनी में कपिलवस्तु से शासन किया था।
  - 29 वर्ष की आयु में गौतम ने घर छोड़ दिया और धन एवं संपत्ति से परित्याग अपने जीवन को अस्वीकार कर दिया तथा तपस्या या अत्यधिक आत्म-अनुशासन की जीवनशैली को अपनाया।
  - लगातार 49 दिनों के ध्यान के बाद गौतम ने बहिर के बोधगया में एक पीपल के पेड़ के नीचे बोधि (ज्ञान) प्राप्त किया।
  - बुद्ध ने अपना पहला उपदेश उत्तर प्रदेश के बनारस शहर के पास सारनाथ में दिया था। इस घटना को धर्म-चक्र-प्रवर्तन (कानून के पहिये का घूमना) के रूप में जाना जाता है।
  - उनकी मृत्यु 80 वर्ष की आयु में 483 ईसा पूर्व में उत्तर प्रदेश के एक कस्बे कुशीनगर नामक स्थान पर हुई थी। इस घटना को 'महापरनिर्वाण' के नाम से जाना जाता है।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. भारतीय इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन भवषिय का बुद्ध है जो अभी तक दुनिया को बचाने के लिए नहीं आया है? (2018)

- (a) अवलोकितेश्वर:
- (b) लोकेश्वर:
- (c) मैत्रेय
- (d) पद्मपानी

उत्तर: (c)

- बौद्ध इतिहास और परंपरा के अनुसार, मैत्रेय बुद्ध को एक बोधसित्व माना जाता है जो भवषिय में पृथ्वी पर प्रकट होंगे, निर्वाण प्राप्त करेंगे तथा पृथ्वी के लोगों को धर्म की शिक्षा देंगे, जैसे शाक्यमुनि बुद्ध ने किया था।

प्रश्न. निम्न में से कौन बौद्ध धर्म में निर्वाण की अवधारणा का सबसे अच्छा वर्णन करता है? (2013)

- (a) इच्छा की ज्वाला का विलुप्त होना
- (b) स्वयं का पूर्ण वनिश
- (c) आनंद और आराम की स्थिति
- (d) सभी समझ से परे एक मानसिक अवस्था

### उत्तर: (a)

- नरिवाण का अर्थ है "सूँघना" (To Snuff Out), जसि तरह से कोई इच्छा की आग को बुझाता है।
- बौद्ध धर्म में, नरिवाण का कोई नकारात्मक अर्थ नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है इच्छा, भ्रम, क्रोध और घृणा की ज्वाला को बुझाकर अस्तित्व के दूसरे स्तर पर जाना।

**प्रश्न. भगवान बुद्ध की प्रतमा कभी-कभी एक हस्तमुद्रा युक्त दिखाई गई है जसि 'भूमसिपर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह कसिका प्रतीक है? (2012)**

- (a) मारा पर दृष्टि रखने एवं अपने ध्यान में वधिर् डालने से मारा को रोकने के लयि बुद्ध का धरती का आह्वान।  
(b) बुद्ध ने मारा के प्रलोभनों के बावजूद अपनी पवतिरता और शुद्धता को देखने के लयि पृथ्वी का आह्वान कयि।  
(c) बुद्ध ने अपने अनुयाययिों को याद दलिया कविं सभी पृथ्वी से उत्पन्न होते हैं और अंत में पृथ्वी में वलीन हो जाते हैं, और इस प्रकार यह जीवन क्षणभंगुर है।  
(d) कथन (a) और (b) दोनों सही हैं

### उत्तर: (b)

- भूमसिपर्श मुद्रा में भगवान बुद्ध अपने दाहनि हाथ के साथ दाहनि घुटने पर एक लटकन के रूप में बैठे हैं, कमल सहिसन को छूते हुए हथेली के साथ जमीन की ओर पहुँचते हैं। इस बीच बाएँ हाथ को उनकी गोद में सीधी हथेली के साथ देखा जा सकता है।
- यह मुद्रा बुद्ध के जागरण के क्षण का प्रतनिधित्व करती है, क्योकविह पृथ्वी को दानव राजा मारा और ज्ञान पर उनकी जीत के गवाह के रूप में दावा करता है।

### स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bamiyan-buddhas>

